शिक्षा से ही हो सकता है मानव का जीवन आसान : राज्यपाल

यूनिवर्सिटी आफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज के 21वें दीक्षांत समारोह में लिया राज्यपाल ने भाग

यूजेवीएनएल के प्रबंध निदेशक संदीप सिंघल को पीएचडी की उपाधि देते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह।

■ राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मेडल और उपाधियों से सम्मानित किया

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि शिक्षा से मानव जीवन आसान हो सकता है। शिक्षा से देश ही नहीं पूरी दुनिया में शिक्षा को बढ़ावा देकर शांति लाई जा सकती है। राज्यपाल ने कहा कि इस शिक्षण संस्थान से पास होने वाले सभी विद्यार्थी अगर शिक्षा के बढ़ावा देने की अपने दायित्व का निर्वहन करें तो इससे देश को आगे ले जाने में काफी सहूलियत होगी।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शनिवार को यूनिवर्सिटी आफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) के 21वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मेडल और उपाधियों से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अवसर पर छात्रों का आह्वान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ही वह साधन है जो मनुष्य के भीतर मानवीय गुणों और अच्छे विचारों का निर्माण करती है और इसके साथ ही मनुष्य के जीवन की राह को भी आसान बना देती है। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण शिक्षित नागरिक ही बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान देते हैं। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को शिक्षार्थियों की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनाकर शिक्षा में स्किल डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी पाठ्यक्रम को शामिल करने की आवश्यकता है। हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं के सपनों को साकार करने वाली और देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। आधुनिक भारत के निर्माण में कौशल संपन्न युवा अहम योगदान दे सकते हैं। इसीलिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्किल डेवलपमेंट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

अमृत महोत्सव में आने वाले 25 साल बहुत ही महत्वपूर्ण

राज्यपाल ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में आने वाले 25 साल बहुत ही महत्वपूर्ण है। इन 25 सालों में हमें ऊर्जा से भरी एक युवा पीढ़ी का निर्माण करना है। एक ऐसी पीढ़ी जो रिसर्च और नए-नए इनोवेशन के लिए लालायित हो जो साइंस से लेकर स्पोर्ट्स तक हर क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करें। ऐसी पीढ़ी जो 21वीं सदी के भारत की आवश्यकताओं को समझते हुए अपना सामर्थ्य बढ़ाएं और कर्तव्य बोध से भरी हो।

भारत विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त करेगा

राज्यपाल ने कहा कि देश में सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से विकास में अभूतपूर्व तेजी आई है। सभी क्षेत्रों में विकास की इस लहर से देश में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन सभी अभूतपूर्व कार्यों के चलते 2047 में आजादी के 100 साल पूरा करने पर जब पूरा देश जश्न मनायेगा, तो निःसंदेह तब तक भारत विकसित राष्ट्र एवं विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त कर लेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा.राम शर्मा ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डा.शरद मेहरा ने बताया की किस प्रकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यूपीईएस समाज के अंतिम व्यक्ति तक उच्च शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रयासरत है, जिसकी राज्यपाल ने सराहना की।

इस अवसर पर कुलाधिपति डा.सुनील राय एवं विश्वविद्यालय के प्रोफेस और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।